



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 624]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 22, 2005/आषाढ 1, 1927

No. 624]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 22, 2005/ĀSADHA 1, 1927

संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जून, 2005

का.आ. 870(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत का राजपत्र, असाधारण भाग-II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में सं. का.आ. 1024(अ) दिनांक 20 सितम्बर, 2002 में प्रारम्भिक अधिसूचना द्वारा अरुणाचलेश्वर मंदिर तिरुवन्नामलई को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के लिए अपनी इच्छा का नोटिस दिया था तथा उपर्युक्त अधिसूचना के जारी होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर इस स्मारक में रुचि रखने वाले व्यक्तियों से आपत्तियां/सुझाव आमंत्रित किए थे।

तथा जबकि केन्द्रीय सरकार को विभिन्न व्यक्तियों या एजेंसियों, जिसमें आयुक्त, तिरुवन्नामलई नगर निगम तथा तमिलनाडु सरकार भी शामिल है, से आपत्तियां प्राप्त हुई हैं;

तथा जबकि रुचि लेने वाले व्यक्तियों या दलों द्वारा दायर आपत्तियों पर विचार करने के पश्चात् यह निर्णय लिया गया है कि उक्त प्रारम्भिक अधिसूचना को वापिस ले लिया जाए;

तथा जबकि तिरुवन्नामलई मंदिर का प्रकरण, तिरुवन्नामलई नगर निगम बनाम अरुणाचलगिरी प्रदक्षिणा समिति तथा अन्य (डब्ल्यू.पी.सी.) 12443-12447/2001, माननीय भारत का उच्चतम न्यायालय में लंबित है। उपर्युक्त मामले में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (भा.पु.स.) ने एक प्रतिवादी होने के परिणामस्वरूप शपथपत्र दायर करते हुए माननीय भारत का उच्चतम न्यायालय के निर्देश प्राप्त किए थे।

तथा जबकि माननीय भारत का उच्चतम न्यायालय ने उक्त याचिका में अपने दिनांक 20 मार्च, 2005 के आदेश में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को उक्त प्रारम्भिक अधिसूचना वापिस लेने की अनुमति प्रदान की है।

इसलिए अब, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण भारत के राजपत्र में प्रकाशित प्रारम्भिक अधिसूचना सं. का.आ. 1024(अ) दिनांक 20 सितम्बर, 2002 को एतद्वारा वापिस लेता है।

[फा. सं. 2-40/2002-एम.]

सी. बाबू राजीव, महानिदेशक

DEPARTMENT OF CULTURE**(Archaeological Survey of India)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 22nd June, 2005

S.O. 870(E).—Whereas the Central Government *vide* preliminary notification published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) number S.O. 1024(E) dated the 20th September, 2002 gave notice of its intention to declare Arunachaleswar Temple, Tiruvannamalai as a monument of national importance and invited objections/suggestions from the persons interested in the said monument within a period of 60 days from the issue of the said notification.

And whereas the Central Government received objections from the various persons or agencies including the Commissioner, Tiruvannamalai Municipality and the Government of Tamil Nadu.

And whereas after considering the objections filed by the interested persons or parties, it was decided to withdraw the said preliminary notification;

And whereas the issue of Tiruvannamalai temple was pending before the Hon'ble Supreme Court of India in the Commissioner, Tiruvannamalai Municipality vs. Arunachalgi Pradkshina Samiti and others (W.P. C.) 12443-12447/2001. Consequent upon the Archaeological Survey of India (ASI) being one of the respondent in the above matter, the directions of the Hon'ble Supreme Court of India was sought by filing an affidavit.

And whereas the Hon'ble Supreme Court of India in its order dated the 28th March, 2005 in the said petition has permitted ASI to withdraw the said preliminary notification.

Now, therefore, ASI hereby withdraws the preliminary notification No. S.O. 1024(E) dated the 20th September, 2002 published in the Official Gazette of India.

[F. No. 2-40/2002-M]

C. BABU RAJEEV, Director General